

फ्लू महामारी से लड़ने की डब्ल्यूएचओ (WHO) की रणनीति

सन्दर्भ

- विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 2019-2030 के लिए इन्फ्लूएंजा रणनीति जारी की गयी है, जिसका उद्देश्य सभी देशों में लोगों को इन्फ्लूएंजा के खतरे से बचाना है।
- रणनीति का लक्ष्य मौसमी इन्फ्लूएंजा को रोकना, जानवरों से मनुष्यों में इन्फ्लूएंजा के प्रसार को नियंत्रित करना है।
- इन्फ्लूएंजा दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। विश्व में प्रत्येक वर्ष लगभग 1 बिलियन मामले आते हैं, जिसमें से 3 से 5 मिलियन गंभीर मामले होते हैं। जिसके परिणामस्वरूप 2,90,000 से 6,50,000 इन्फ्लूएंजा संबंधी मृत्यु होती है।

महत्वपूर्ण बिंदु

- डब्ल्यूएचओ ने इन्फ्लूएंजा से बचाव के लिए वार्षिक इन्फ्लूएंजा टीकाकरण को सबसे प्रभावी तरीका बताया है। टीकाकरण गंभीर इन्फ्लूएंजा जटिलताओं के उच्च जोखिम वाले लोगों के लिए और स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।
- नई रणनीति सबसे व्यापक और दूरगामी है जिसे डब्ल्यूएचओ ने इन्फ्लूएंजा के लिए विकसित किया है। यह हर साल आबादी की रक्षा के लिए एक रूपरेखा तैयार करता है और नियमित कार्यक्रमों के माध्यम से महामारी से बचाव में मदद करता है

इसके दो व्यापक लक्ष्य हैं-

- रोग निगरानी एवं प्रतिक्रिया के माध्यम से, रोकथाम और नियंत्रण तथा तैयारियों के लिए मजबूत क्षमताओं का निर्माण करना। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रत्येक राष्ट्र हेतु एक एकीकृत इन्फ्लूएंजा कार्यक्रम है जो राष्ट्रीय और वैश्विक तैयारियों तथा स्वास्थ्य सुरक्षा में योगदान देता है।
 - इन्फ्लूएंजा को रोकने, पता लगाने, नियंत्रित करने और उपचार करने हेतु बेहतर उपकरण विकसित करें, जिससे कि अधिक प्रभावी टीके, एंटीवायरल और प्रभावशाली उपचार संभव हो सकें।
- सभी देशों के लिए सुलभ लक्ष्य के साथ इस उद्देश्य की रणनीति को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए, प्रभावी भागीदारी आवश्यक है, इसके लिए WHO अनुसंधान, नवाचार और बेहतर वैश्विक रोकथाम तथा नियंत्रण के लिए अपनी क्षमताओं में सुधार करने हेतु सभी राष्ट्रों के साथ मिलकर काम करेगा।
 - WHO कार्यक्रमों के अंतर्गत नई इन्फ्लूएंजा रणनीति को सफल बनाने हेतु 65 वर्षों से अधिक समय तक के लिए (ग्लोबल इन्फ्लूएंजा निगरानी और प्रतिक्रिया प्रणाली, जिसमें WHO के सहयोग केंद्र और राष्ट्रीय इन्फ्लूएंजा केंद्र शामिल हैं) मौसमी रुझानों और संभावित महामारी वायरस की निगरानी के लिए एक साथ काम किया है। यह प्रणाली इन्फ्लूएंजा के लिए वैश्विक चेतावनी प्रणाली की रीढ़ के रूप में कार्य करती है।
 - इन्फ्लूएंजा रणनीति, महामारी की स्थिति में जीवन रक्षक टीके और उपचार तक पहुंच प्रदान करती है, और उद्योग से सार्थक योगदान के माध्यम से सभी राष्ट्रों में महामारी रोकथाम हेतु क्षमता निर्माण का कार्य करती है।
 - सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए मुख्य क्षमता में सुधार करने और वैश्विक तैयारियों को बढ़ाने की रणनीति डब्ल्यूएचओ और सदस्य राष्ट्रों, शिक्षा, नागरिक समाज, उद्योग और आंतरिक और बाहरी विशेषज्ञों के इनपुट के साथ एक परामर्श प्रक्रिया के माध्यम से विकसित की गई थी।
 - देशों को अपनी इन्फ्लूएंजा क्षमता को मजबूत करने के लिए सामान्य रूप से संक्रमण का पता लगाने में अप्रत्यक्ष लाभ होगा, क्योंकि देश इबोला या मध्य पूर्व श्वसन सिंड्रोम से संबंधित अन्य संक्रामक रोगों की बेहतर पहचान करने में सक्षम

होगे।

- नई डब्ल्यूएचओ वैश्विक इन्फ्लूएंजा रणनीति के कार्यान्वयन के माध्यम से, दुनिया हर साल इन्फ्लूएंजा के प्रभाव को कम करने और एक इन्फ्लूएंजा महामारी और अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए अधिक तैयार होगी।

कैसे होता है स्वाइन फ्लू-Swine flu (H1N1)

- स्वाइन फ्लू इन्फ्लूएंजा-A वायरस के एक स्ट्रेन के कारण होता है। यह सुअरों से इंसानों में संचारित होता है। समय पर इलाज नहीं होने पर एच1एन1 घातक भी हो सकता है। इन्फ्लूएंजा-A स्वाइन फ्लू वायरस 'एच-1-एन-1' द्वारा संक्रमित एक इंसान से दूसरे इंसान में फैलता है। यह वायरस बड़ी बहुत तेजी से फैलता है।

स्वाइन फ्लू के लक्षण

- स्वाइन फ्लू हल्के फ्लू या स्वाइन फ्लू बुखार, खांसी, गले में खरास, नाक बहने, मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द, ठंड और कभी-कभी दस्त और उल्टी के साथ आता है।
- स्वाइन फ्लू में खांसी या गले में खरास के साथ 100 डिग्री फारेनहाइट से अधिक तक बुखार हो सकता है। निदान की पुष्टि आरआरटी या पीसीआर तकनीक से किए गए लैब टेस्ट से होती है।
- हल्के मामलों में, सांस लेने में परेशानी नहीं होती है।
- लगातार बढ़ने वाले स्वाइन फ्लू में छाती में दर्द के साथ उपरोक्त लक्षण, श्वसन दर में वृद्धि, रक्त में ऑक्सीजन की कमी, कम रक्तचाप, भ्रम, बदलती मानसिक स्थिति, गंभीर निर्जलीकरण और अंतर्निहित अस्थिमा, गुर्दे की विफलता, मधुमेह, दिल की विफलता, COPD हो सकता है।
- किसी व्यक्ति को खांसी, गले में दर्द, बुखार, सिरदर्द, मतली और उल्टी के लक्षण हैं, तो स्वाइन फ्लू की जांच करानी चाहिए। इस स्थिति में दवाई केवल चिकित्सक की निगरानी में ही ली जानी चाहिए।

उपाय

- लगातार हाथ धोने से स्वाइन फ्लू से बचने में मदद मिल सकती है।
- जब आप किसी से हाथ मिलाएं या दरवाजे के हैंडल, की बोर्ड या किसी की टेबल को छूएं, तो हमेशा हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें।
- सुनिश्चित करें कि आप फलों और सब्जियों को पानी से धो रहे हों।
- अगर आप भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाते हैं, तो फ्लू मास्क पहनें।

स्वास्थ्य विभाग ने जारी किए दिशा-निर्देश

- स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामले को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की ओर से आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवाएं महानिदेशालय द्वारा अस्पतालों में डॉक्टरों और कर्मचारियों को मास्क का इस्तेमाल करने का भी निर्देश दिया गया है। प्रशासन के पास स्वाइन फ्लू के इलाज के लिए औषधि उपलब्ध है। अस्पतालों में इलाज का पूरा प्रबंध है।
- राष्ट्रीय रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनसीडीसी) के अनुसार 2018 में दिल्ली में स्वाइन फ्लू के 136 मामलों की पुष्टि हुई थी, जबकि इस साल पहले महीने में ही 168 मामलों की पुष्टि हो चुकी है।

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न-

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1. इन्फ्लूएंजा का टीका फ्लू होने की गारंटी देता और अन्य प्रकार के वायरस से रक्षा करता है।
2. पोषक आहार के साथ शारीरिक व्यायाम इन्फ्लूएंजा को रोकने में सहायक है।

3. इन्फ्लूएंजा वायरस हमारे शरीर में नाक, कान, और मुंह द्वारा प्रवेश करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सत्य है/हैं?

- (a) 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) 2 और 3
- (d) उपर्युक्त सभी

प्रारंभिक परीक्षा प्रश्न का उत्तर:- (C)

मुख्य परीक्षा प्रश्न

प्रश्न- इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियाँ अधिकतर साफ-सफाई का उचित ख्याल न रखने एवं जलवायवीय कारको से प्रभावित होती है। सरकार द्वारा इसका उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। ऐसी संक्रामक बीमारियों का इलाज सिर्फ सरकारी पहल ही नहीं अपितु जनजागरूकता के साथ परंपरागत चिकित्सा पद्धति भी है। समीक्षा करें।



